AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

# बीएससी पहले सेमेस्टर की कक्षाएं कल से

## लविवि : केमिस्ट्री विभाग ने जारी किया कार्यक्रम

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लविवि में पिछले दिनों बीकॉम व बीए के बाद अब बीएससी पहले सेमेस्टर की कक्षाएं भी 19 अक्तूबर से शुरू हो रही हैं। इसके तहत केमिस्ट्री विभाग की ओर से विस्तृत कार्यक्रम जारी किया गया है। कुछ अन्य साइंस के विभागों ने भी नोटिस बोर्ड पर टाइम टेबल चस्पा कर दिया है।

लखनऊ विश्वविद्यालय में वर्तमान में नए सत्र की प्रवेश प्रक्रिया चल रही है। पहले चरण के सीट अलॉटमेंट, फीस जमा करने व डॉक्यूमेंट वेरीफिकेशन हो चुके हैं। इसके बाद कक्षाएं शुरू करने की कवायद भी तेज हो गई है। वहीं दूसरे चरण के अलॉटमेंट के प्रवेश भी चल रहे हैं। केमिस्ट्री के विभागाध्यक्ष प्रो. अनिल मिश्रा की ओर से जारी सूचना में कहा गया है कि बीएससी पहले सेमेस्टर की नियमित कक्षाएं 19 अक्तूबर से शुरू हो रही हैं। नवप्रवेशित विद्यार्थी डीन कार्यालय से डॉक्यूमेंट वेरीफिकेशन के बाद कक्षाओं में शिरकत कर सकते हैं। विस्तृत टाइम टेबल विभाग में चस्पा कर दिया गया है।

### पीजी के चार कोर्सों में फीस जमा करने की प्रक्रिया शुरू

परास्नातक प्रवेश प्रक्रिया में चार कोर्सों एमएससी केमिस्ट्री, आलिम, बीलिब व एमए-एमएससी फॉरेंसिक साइंस का सीट अलॉटमेंट रविवार देर रात जारी कर दिया गया। प्रवेश समन्वयक प्रो. पंकज माथुर ने कहा कि, जिन विद्यार्थियों को सीट अलॉट हुई है, वे 18 अक्तूबर तक फीस जमा कर सकते हैं।

## केकेसी में लॉ की मेरिट जारी, प्रवेश कल से

**लखनऊ।** श्री जय नारायण मिश्र पीजी कॉलेज (केकेसी) में एलएलबी फर्स्ट सेमेस्टर में प्रवेश के लिए पहली मेरिट लिस्ट कॉलेज की वेबसाइट पर जारी कर दी गई है। प्रवेश 19 अक्तूबर से शुरू होंगे। कॉलेज में लॉ की 342 सीटों के सापेक्ष 1400 अभ्यर्थियों ने आवेदन किया है। प्राचार्या प्रो. मीता साह ने बताया कि अभ्यर्थी प्रत्येक कार्य दिवस में सुबह 10 बजे से दोपहर तीन बजे तक संपर्क कर अपना प्रवेश सुनिश्चित कर सकते हैं। पहली मेरिट के प्रवेश 21 अक्तूबर तक होंगे। सीटें बचती हैं तो दूसरी मेरिट लिस्ट जारी होगी। जिन अभ्यर्थियों का नाम पहली मेरिट लिस्ट में है, वे कॉलेज वेबसाइट पर जाकर फीस जमा कर अपनी सीट लॉक कर लें। जो विद्यार्थी लविवि से यूजी नहीं हैं, वे कॉलेज में 500 रुपये नामांकन शुल्क भी जमा करेंगे। बता दें कि कॉलेज की ओर से पूर्व में जारी मेरिट लिस्ट वेबसाइट से हटा ली गई थी क्योंकि शुल्क जमा होने के बाद भी बीसीआई से कोर्स अप्रूवल का पत्र नहीं आया था। इसके बाद कॉलेज प्रशासन ने प्रयास किया और बीसीआई से पत्र जारी होने के बाद दोबारा मेरिट लिस्ट जारी की गई है। (माई सिटी रिपोर्टर)

### पीजी अभ्यर्थी आज तक जमा कर सकते हैं शुल्क

केकेसी में एमए हिंदी, समाजशास्त्र, अर्थशास्त्र, अंग्रेजी, एमकॉम प्योर, अप्लाइड इकनॉमिक्स, एमएससी में जिन विद्यार्थियों ने प्रवेश काउंसिलिंग करा ली है, उन्हें फीस जमा करने का अंतिम अवसर 18 अक्तूबर तक दिया गया है। प्राचार्या प्रो. मीता साह ने बताया कि विद्यार्थी फीस जमा कर 19 अक्तूबर को दोपहर 12:30 बजे तक संबंधित विभाग में जमा कर दें। वरना अगली मेरिट 19 अक्तूबर को जारी की जाएगी।

HINDUSTAN PAGE 6

# छात्रों की मदद को वीसी केयर फण्ड

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के वीसी केयर फण्ड के लिए जरूरतमंद विद्यार्थियों के चयन की प्रक्रिया अंतिम चरण में हैं। कुलपति आलोक कुमार राय की पहल पर शुरू किए गए इस फण्ड के लिए पांच से अधिक विद्यार्थियों ने आवेदन किया है।

i-NEXT PAGE 4

## प्रथम सेमेस्टर केमिस्ट्री की कक्षाएं कल से

**LUCKNOW :** लखनऊ विश्वविद्यालय में बीएससी केमिस्ट्री प्रथम सेमेस्टर की कक्षाएं 19 अक्टूबर से शुरू होंगी. केमिस्ट्री विभाग के हेड प्रोफेसर अनिल मिश्रा ने सोमवार को इसका नोटिस जारी किया है. उन्होंने बताया कि जिन छात्र-छात्राओं ने डीन आफिस में अपने अभिलेख सत्यापित करा लिए हैं, वह निर्धारित तिथि से विभाग में कक्षाओं में उपस्थित होना सुनिश्चित करें.

## लखनऊ यूनिवर्सिटी में व्याख्यान आयोजित

**LUCKNOW :** लखनऊ विश्वविद्यालय के रसायन विज्ञान विभाग में पूर्व छात्र व्याख्यान श्रृंखला के अंतर्गत सोमवार को सेंटर आफ बायो मेडिकल रिसर्च के निदेशक प्रो. आलोक धवन को आमंत्रित किया गया था. उन्होंने विष विज्ञान एवं दैनिक जीवन में इसकी भूमिका के बारे में विस्तृत जानकारी दी. बताया कि कैसे नैनोटाक्सिकोलाजी दैनिक जीवन को प्रभावित कर रही है. कार्यक्रम में डीन साइंस, प्रो. बृजेंद्र सिंह, हेड प्रो. अनिल मिश्रा व अन्य शिक्षक एवं पूर्व छात्र भी उपस्थित रहे.

# हार्ड नहीं, स्मार्ट वर्क नीति जरूरी

## लखनऊ विश्वविद्यालय में तीन दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

**LUCKNOW (17 OCT):** लखनऊ विश्वविद्यालय के परामर्श एवं मार्गदर्शन प्रकोष्ठ की ओर से 'इंटरनेट की लत को प्रतिबंधित करने के लिए व्यावहारिक तकनीक' पर तीन दिवसीय आनलाइन कार्यशाला आयोजित की गई. मुख्य अतिथि ग्लोबल इंस्टीट्यूट आफ बिहैवियर टेक्नोलाजी कोयंबटूर के निदेशक प्रो. वेदागिरी गणेशन ने भावनाओं के उचित संचालन एवं नियंत्रण के लिए श्वास के व्यायाम जैसी कई उपयोगी रणनीतियों का सुझाव दिया. उन्होंने कहा कि हार्ड वर्क नहीं स्मार्ट वर्क की नीति पर सभी को अमल करना चाहिए. परिवार के प्रत्येक सदस्य को अपने समय का बेहतर प्रबंधन करने और आपसी सहयोग व समन्वय की आवश्यकता है ताकि सभी काम और परिवार का संतुलन बना रहे और मानसिक रूप से स्वस्थ्य रह सकें. परामर्श एवं मार्गदर्शन प्रकोष्ठ की निदेशक प्रो. मधुरिमा प्रधान ने कहा कि जिस प्रकार हम कोई आदत सीख जाते हैं, उसी प्रकार हमें उसे भुला देना भी सीखना चाहिए.

## नैनो टॉक्सिकोलॉजी पर दी जानकारी

लखनऊ। लविवि के रसायन विज्ञान विभाग में पूर्व छात्र व्याख्यान के अंतर्गत सोमवार को सीबीएमआर पीजीआई के निदेशक प्रो. आलोक धवन ने अदृश्य विष विज्ञान पर जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कैसे नैनो टॉक्सिकोलॉजी दैनिक जीवन को प्रभावित कर रही है। डीन प्रो. बृजेंद्र सिंह, विभागाध्यक्ष प्रो. अनिल मिश्रा, प्रो. आभा बिश्नोई, डॉ. अमृता श्रीवास्तव, डॉ. मनीषा शुक्ला, डॉ. नीरज मिश्रा, डॉ. रुचि चंद्रा आदि उपस्थित थे। (माई सिटी रिपोर्टर)

## डॉ. अमरजीत यादव सदस्य नामित

**लखनऊ।** लविवि के फैकल्टी ऑफ योग एंड अल्टरनेटिव मेडिसिन के कोऑर्डिनेटर डॉ. अमरजीत यादव को बीबीएयू के योग विभाग के बोर्ड ऑफ पोस्ट ग्रेजुएट स्टडी का सदस्य नामित किया गया है। डॉ. यादव की कई किताबें और शोध प्रकाशित हो चुके हैं। (माई सिटी रिपोर्टर)

PIONEER PAGE 3

# दीवाली से पहले आर्थिक रूप से कमजोर छात्रों के जीवन में उजाला लाएगा वीसी केयर फंड

**पायनियर समाचार सेवा।** लखनऊ

**इस बार** लखनऊ विवि उन छात्रों के जीवन में दीवाली से पहले उजाला लाने की तैयारी में हैं, जो आर्थिक रूप से निर्धन परिवार से आते हैं या फिर जिनके मॉ-बाप कोविड का शिकार हो गये हैं या फिर किसी अन्य प्रकार के वित्तीय मदद से वंचित हैं। ऐसे छात्रों की आर्थिक मदद के लिए विवि के कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय द्वारा छात्र हित मे शुरू किए गये वी सी केयर फण्ड के छात्रों की चयन प्रक्रिया अंतिम चरण मे है और जल्द ही चयनित छात्र छात्राओ को चेक सौंपे जाऐंगे।

अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रोफेसर पूनम टंडन ने बताया कि वी सी केयर फंड के लिए 500 से भी अधिक आवेदन प्राप्त हुए थे। इनमे से अधिक जरूरतमंद छात्रों की पहचान एक कठिन कार्य था। अत: उन छात्र छात्राओ को वरीयता दी गई जिन्होने हाल ही मे माता या पिता किसी कारणवश खोया या वे अत्यधिक बीमार हो जिससे इन छात्र छात्राओ के सामने फीस जमा करने का संकट उत्पन्न हो गया हो तथा उन्हें किसी अन्य स्रोत से कोई अन्य वित्तीय मदद इस सत्र में प्राप्त न हो रही हो। इस निमित्त प्राप्त आवेदनों मे से अत्यधिक जरूरतमंद छात्रों की पहचान कर बातचीत कर ली गई है। कुलपति द्वारा गठित समिति की अनुशंसा पर अंतिम रूप से चयनित छात्रों को दीवाली से पूर्व चेक सौंप दिये जाएंगे। बताते चलें कि वी सी केयर फण्ड लखनऊ विवि का समाज के सभी वर्गों से सहायता प्राप्त कर सम्मिलित प्रयास है, जिससे छात्रों की शिक्षा मे आने वाली सभी रुकावटों को यथासंभव दूर करने का प्रयास किया जा रहा है और जिसमे विवि के शिक्षक, कर्मचारी व विवि के पूर्व छात्र विशेष रूप से शामिल हैं।

RASHRIAYA SAHARA PAGE 5

## वीसी केयर फंड के तहत जल्द मिलेगी सहायता

लखनऊ (एसएनबी)। लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय द्वारा छात्र हित में शुरू किए गये वीसी केयर फण्ड के छात्रों की चयन प्रक्रिया अंतिम चरण में है और जल्द ही चयनित छात्र छात्राओं को चेक सौंपे जाऐंगे।

विश्वविद्यालय प्रवक्ता ने बताया कि वीसी केयर फंड के लिए 500 से भी अधिक आवेदन प्राप्त हुए थे, अतः उन छात्र छात्राओं को वरीयता दी गई जिन्होंने हाल ही में माता या पिता किसी कारणवश खोया या वे अत्यधिक बीमार हो जिससे इन छात्र छात्राओं के सामने फीस जमा करने का संकट उत्पन्न हो गया हो तथा उन्हें किसी अन्य स्रोत से कोई अन्य वित्तीय मदद इस सत्र में प्राप्त न हो रही हो। इस निमित्त प्राप्त आवेदनों में से अत्यधिक जरूरतमंद छात्रों की पहचान कर बातचीत कर ली गई है। कुलपति द्वारा गठित समिति की अनुशंसा पर अंतिम रूप से चयनित छात्रों को दीवाली से पूर्व चेक सौंप दिये जाएंगे।

# डीआरसी की संस्तुतियां न जाएंगी विद्या परिषद

## डीआरसी खुद ही इस पर अब लेगा निर्णय

**LUCKNOW (17 OCT):** लखनऊ विश्वविद्यालय में अब विभागीय शोध समिति (डीआरसी) के माध्यम से पीएचडी के लिए रिसर्च सुपरवाइजर के अनुमोदन से लेकर शोध शीर्षक सहित अन्य कार्यों की संस्तुति अब डीन के माध्यम से विद्या परिषद में अनुमोदन के लिए नहीं भेजी जाएंगी. इस कार्य में हो रही लेटलतीफी की वजह से अब डीआरसी खुद ही इस पर निर्णय लेगी, जिसे विभागाध्यक्ष अमल में लाएंगे. वीसी प्रो.आलोक कुमार राय ने बीते दिनों हुई विद्या परिषद की बैठक में इस संबंध में निर्देश दिए थे. जल्द ही इसका आदेश जारी किया जाएगा. अभी तक पीएचडी के लिए रिसर्च सुपरवाइजर का अनुमोदन, शोध के शीर्षक तय करने, बदलने से लेकर शोध की प्रगति की समीक्षा आदि के प्रस्ताव पर विभागीय शोध समिति संस्तुति करके संबंधित डीन के पास भेजती है.

### स्टूडेंट्स हैं परेशान

कुलसचिव संजय मेधावी ने बताया कि इस समस्या को दूर करने के लिए यह तय हुआ है कि डीआरसी के मिनट्स कहीं भी अनुमोदन के लिए भेजने की जरूरत नहीं है. पीएचडी अधिनियम में इसका प्राविधान भी है.

VOICE OF LUCKNOW PAGE 5

# सीखने के साथ भुलाने की आदत जरूरी : प्रो. वेदागिरी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के परामर्श और मार्गदर्शन प्रकोष्ठ की तरफ से इंटरनेट की लत को प्रबंधित करने के लिए व्यवहारिक तकनीकी विषय पर आयोजित कार्यशाला के समापन पर मुख्य अतिथि प्रो. वेदागिरी गणेशन ने कहा कि जिस तरह हम किसी की आदत डालते हैं ठीक उसी तरह उसे भूल जाना भी सीखना होगा। विश्व मानसिक स्वास्थ्य सप्ताह के तहत हुई इस कार्यशाला में उन्होंने विद्यार्थियों को आत्म-अवधारणा को विकसित करने और सुधारने के तरीके भी सुझाये। उन्होंने कहा कि हार्ड वर्क नहीं बल्कि स्मार्ट वर्क की नीति पर सभी को अमल करना चाहिए। साथ ही उन्होंने विद्यार्थियों के कई सवालों के जवाब भी दिये।

## विष विज्ञान पर व्याख्यान

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के रसायन विज्ञान विभाग के पूर्व छात्र व्याख्यान श्रृंखला के तहत सोमवार को एसजीपीजीआई के सीबीएमआर निदेशक प्रो. आलोक धवन ने बताया कि किस तरह नैनोटॉक्सिकोलॉजी दैनिक जीवन को प्रभावित करती है। उन्होंने विष विज्ञान और दैनिक जीवन में इसकी भूमिका के बारे में भी बताया।

TOI PAGE 3

# Hobbies, exercise help in net deaddiction, advise experts

TIMES NEWS NETWORK

**Lucknow:** If spending too much time on the internet is spoiling your relationships, disturbing your time schedule and impacting your overall performance and yet you are unable to give it up, then you are an internet addict and need to see a counsellor, said experts.

Speaking during a workshop at Lucknow University on Monday on behaviour technology to manage internet addiction, experts suggested downloading an app to monitor one's screen time, increasing physical activities, investing more time in hobbies and consulting a counsellor.

"A person will be called an addict if despite knowing over-usage of the internet is affecting his/her personal and professional life continues to use it. If such are your symptoms or you are trying hard to reduce the usage but failing everytime then you have been addicted," said director of LU's counselling and guidance cell prof Madhurima Pradhan.

**LU WORKSHOP**

She said to come out of the addiction one needs a counsellor as case studies of every individual vary.

Director of Global Institute of Behaviour Technology, Coimbatore Vedagiri Ganesan said: "Overcome psychological issues and internet addiction by connecting more with your culture and investing more time in your hobbies. To manage the addiction, one must practise Premack Principle wherein a person is asked to do what one wishes rather than doing what one is asked to do."

Coordinator Arpana Godbole said: "A person addicted to the internet should practice breathing exercises that help to improve concentration and relax the mind. One can get over any mental health issue only when one accepts the fact that there is some problem. Accepting and talking about one's problem is very important."

She said increasing physical activities also plays important part in deaddiction.

JAGRAN CITY PAGE III

## लवि में कार्यशाला

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के परामर्श एवं मार्गदर्शन प्रकोष्ठ की ओर से 'इंटरनेट की लत को प्रतिबंधित करने के लिए व्यावहारिक तकनीक' पर आनलाइन कार्यशाला आयोजित की गई। मुख्य अतिथि ग्लोबल इंस्टीट्यूट आफ बिहैवियर टेक्नोलाजी कोयंबटूर के निदेशक प्रो. वेदागिरी गणेशन ने भावनाओं के उचित संचालन एवं नियंत्रण के लिए श्वास के व्यायाम जैसी कई उपयोगी रणनीतियों का सुझाव दिया। (जासं)

## लवि में व्याख्यान

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के रसायन विज्ञान विभाग में पूर्व छात्र व्याख्यान श्रृंखला के अंतर्गत सोमवार को सेंटर आफ बायो मेडिकल रिसर्च के निदेशक प्रो. आलोक धवन को आमंत्रित किया गया था। उन्होंने विष विज्ञान एवं दैनिक जीवन में इसकी भूमिका के बारे में विस्तृत जानकारी दी। बताया कि कैसे नैनोटाक्सिकोलाजी दैनिक जीवन को प्रभावित कर रही है। कार्यक्रम में डीन साइंस, प्रो. बृजेंद्र सिंह, हेड प्रो. अनिल मिश्रा व अन्य शिक्षक एवं पूर्व छात्र भी उपस्थित रहे। (जासं)

## केमिस्ट्री की कक्षाएं कल से

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय में बीएससी केमिस्ट्री प्रथम सेमेस्टर की कक्षाएं 19 अक्टूबर से शुरू होंगी। केमिस्ट्री विभाग के हेड प्रोफेसर अनिल मिश्रा ने सोमवार को इसका नोटिस जारी किया है। उन्होंने बताया कि जिन छात्र-छात्राओं ने डीन आफिस में अपने अभिलेख सत्यापित करा लिए हैं, वह निर्धारित तिथि से विभाग में कक्षाओं में उपस्थित होना सुनिश्चित करें। (जासं)